an>

Title: The Minister of External Affairs made a statement regarding grant of bail to the mastermind behind 26/11 Mumbai terror attack by a Pakistani anti-terror court.

विदेश मंत्री तथा प्रवासी भारतीय कार्य मंत्री (श्रीमती सुषमा स्वराज) : आदरणीय अध्यक्षा जी, माननीय खड़गे जी ने और अनेक माननीय सदस्यों ने, इस मामले को यहां उठाया था। मुझे खुशी है कि आदरणीय प्रधान मंत्री जी ने स्वयं आकर के अपनी प्रतिक्रिया से सदन को अवगत करा दिया है। हमने इस बीच क्या किया है, उसका विवरण मैं आपकी अनुमति से सदन में रखना चाहती हूं।

आदरणीय अध्यक्षा जी, इस सदन के अनेक माननीय सदस्यों ने लश्कर-ए-तयैबा के ऑपरेशनल कमांडर और घोषित अंतर्राष्ट्रीय आंतकवादी को इस्लामाबाद की आतंकरोधी अदालत द्वारा जमानत पर छोड़े जाने संबंधी समाचार को सदन में उठाया है।

मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहती हूं कि हमने पाकिस्तानी अधिकारियों के सामने अपना रुख बहुत ही स्पष्टता से रख दिया है। जैसे ही इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग को ज़मानत दिए जाने का समाचार मिला, उन्होंने तुरन्त ही पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय को स्पष्ट शब्दों में हमारे रुख से अवगत करा दिया और बता दिया कि हम इस तथ्य को स्वीकार नहीं करते कि लश्कर-ए-तौयबा के ऑपरेशनल कमांडर ज़क़ीउर्रहमान लखवी, जो मुम्बई में हुए आतंकी हमले का मास्टर माइंड है और जिसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने एक अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी घोषित किया हुआ है, को ज़मानत पर छोड़ा जाए। हम इस दलील को अस्वीकार करते हैं कि उस पर और उसके साथ इस साजिश में सह शामिल अन्य लोगों पर मुकद्मा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं थे। हम बिना शक़ यह कह सकते हैं कि मुम्बई पर हुए हमले की साजिश पाकिस्तान में रची गयी थी। इसका वित्तपोषण और आतंकवादियों को प्रशिक्षण भी वहीं दिया गया था। इसके 99 प्रतिशत सुबूत पाकिस्तान में ही मौजूद हैं और पाकिस्तान की जांच एजेंसियों के पास इसके सुबूत इकट्ठा करने के लिए छः वर्ष का समय था और उनका यह दायित्व था कि उन सुबूतों को पेश करके अपराधियों को सज़ा दिलवाएं।

अध्यक्ष जी, सदस्यों को यह विदित है कि दो दिन पूर्व ही पाकिस्तान के पेशावर में एक स्कूल पर बर्बरतापूर्ण आतंकवादी हमला हुआ था, जिसमें 132 बच्चों को और 9 अन्य लोगों को बेरहमी के साथ क़त्ल कर दिया गया था। हमने उन परिवारों के दर्द को महसूस किया था, जिनके प्रियजन इस क़त्लेआम में मारे गए थे। उस दिन, अध्यक्ष जी, अबोध बच्चे ही नहीं मारे गए थे, बल्कि मानवता के अंश ने दम तोड़ दिया था। लेकिन लखवी को बेल देकर पाकिस्तान की सरकार ने आतंकवादी गुटों के ख़िलाफ़ बिना शक़ और बिना भेद के लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता का मज़ाक उड़वाया है। इस कृत्य से ऐसे लोगों का हौसला बढ़ता है, जिन्होंने पेशावर में हाल ही में हमला करने का जघन्य अपराध किया है। इससे उन्हें अवाध्य रूप से अपने कुकृत्य को जारी रखने का मौका मिलता है।

अध्यक्ष जी, हम पाकिस्तान की सरकार से मांग करते हैं कि वह तुरन्त इस निर्णय को बदलवाए और अभी हम पाकिस्तानी अधिकारियों की प्रतिक्रिया पर नज़र बनाए हुए हैं। धन्यवाद।